Vol 6, Issue 5, 2023 **Impact Factor: 5.099** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2023.6.5.6313

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

महिलाओं में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता

शिवानी सारस्वतए

रिसर्च स्कॉलि बी0एस0ए0 मथुरा कॉलेज

डॉ0 मुकेश चन्द

प्रोफेसर समाज शास्त्र विभागए बी0एस0ए0 कॉलेज मथुरा सम्बद्धए डॉ0 भीमराव आ0वि0वि0 (आगरा)

सार –

देश भर में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधो के नियत्रंण व उन्हें रोकने के लिए महिलाओं को स्वंय जागरूक होने की आवश्यकता है। जागरूकता ही महिला सशक्तिकरण का प्रबल शस्त्र है। सिविल जन एन एस ताहेड़ ने मोबाइल संस्कृति के उज्जवल पक्ष को अपनाने तथा निर्बल पक्ष को त्यागेन की बात कही। महिलाओं को उनके अधिकारो के प्रति जागरूक करना अत्यन्त आवश्यक है। अनेकों अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि पुरूषों की उपेक्षा महिलाओं की भागीदारी इन्टरनेट क्षेत्र में अधिक है। महिलाओं के लिए तो स्व रोजगार की अवधारणा अत्यधिक लाभप्रद हैं, क्योंकि वे अपने मातृत्व के साथ–साथ स्वंय का भी खर्च उठा सके। अन्र्तराष्ट्रीय गर्ल्स इन आई0सी0टी0 डे एक वार्षिक आयोजन है जो अप्रैल के चौथे गुरूवार को मनाया जाता है ताकि युवतियों और लड़कियों को सक्षम बनाया जा सके कि वे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना करियर बनाये और प्रोत्साहित करे। इस दिन के जरिये आई0सी0टी0 के क्षेत्र में लैंगिक समानता और विविधता को बढ़ावा दिया जाता है और पुरूषों के बराबर लाता है। और उनके करियर को भी बढ़ाने में सहायता प्रदान करता है।

कुंजीभूत शब्द–महिला, जागरूकता, सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार की क्रान्ति ने महिलाओं को सर्वाधिक प्रभावित किया है। महिलाये पहले घरो की चार दीवारी में ही कैद रहती थी लेकिन सूचना तकनीकी के प्रभाव से पारिवारिक सम्बन्धों/पारम्परिक मान्यताओं और देश विदेश में कार्यरत पारिवारिक सम्बन्धियों से सम्बन्ध बनाने में इस प्रौद्योगिकी ने महिलाओं को सशक्त बनाया है। विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परिक्षाओं की दृष्टि से सूचना प्रौद्योगिकी ने भी महिलाओं की काफी सहायता की है।

जागरूकता और संचार :– ई0 शासन योजना का एक अभिन्न घटक है। जागरूकता और संचार कार्यक्रम देश भर में एन0ई0जीपी0 के विभिन्न पठधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने और जागरूकता के स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। जागरूकता और संचार कार्यकलापों के मुख्य उद्देश्य है। जिला महिला संरक्षण अधिकारी भानू गौड़ का मानना है कि महिलाओं का शिक्षित होना ही उनकी प्रगति की राह को आसान कर सकता है। सरकार को सभी लड़कियों को शिक्षित करना होगा और सामाजिक कुरीतियों के प्रति लोगों को जागरूकता करना होगा। शिक्षित महिलाये ही समाज में जागरूकता ला सकती स्वरोजगार प्राप्त कर सकती है। इससे वह आर्थिक रूप से सम्पन्न हो सके। आर्थिक रूप से सम्पन्न नारी की दूसरो के प्रति निर्भरता नहीं रहेगी और वह सशक्त बन सकेगी।

अधिवक्ता संजय कंकरवाल:– कहते है कि नारी सशक्तिकरण को पूरी तरह से बढ़ावा देने के लिए महिलाओं के लिए बनाए गए कानूनों को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार ने महिलाओं को सशक्त व सुरक्षित बनाने के लिए कानून तो कई बना दिये लेकिन उन्हें सख्ती से लागू नहीं किया जा रहा है। इससे उनका दुरूपयोग बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत दो माह में मामले का फैसला करने का प्रावधान है। अगर सरकार को असलियत में नारी सशक्तिकरण चाहती है तो सख्ती से कानूनों का पालन अनिवार्य है।

सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ:– ठवदकमल;2021द्ध ''सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ काफी विस्तृत भी है और संक्षिप्त भी सूचना प्रौद्योगिकी जिसे इफौमेशन ट्रेक्नोलॉजी और संक्षिप्त में प्ज्ण् कहा जाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा रौले:– सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ सूचना के एकत्रीकरण, संग्रहण, संचालन प्रसारण तथा उपयोग से है इसका आशय हार्डवेयर अथवा सॉफ्टवेयर से नहीं बल्कि इस तकनीक के द्वारा मानव की महत्वपूर्ण आवश्यकता एवं विभिन्न सूचनाओं की पूति से है।

तालिका न01

क्या घर में टेलीविजन की उपलब्धता है?

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	**हॉ**	**263**	**63.83**
2	**नहीं**	**149**	**36.16**
	कुल	**412**	**99.99**

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि 63.83 महिलाओं के घर में टी0वी0 है। जिसके प्रयोग से वो अपनी पसन्द के कार्यक्रम को आसानी से घर बैठे देख सकते है तथा घर बैठे ही समाचार के द्वारा बाहर की जानकारी भी प्राप्त कर सकते है। पहले के समय घर में टी0वी0 न होने पर दूसरे के घर जाकर देखना पड़ता था। परन्तु आज टी0वी0 की सुविधा प्रत्येक घर में है। कुछ ही प्रतिशत घर ऐसे है जो टी0वी0 की सुविधा से वंचित यह गये है। टी0वी0 सूचना तकनीकी का एक माध्यम भी माना जाता है। जिसके द्वारा हम सूचनाओं को घर बैठे भी प्राप्त कर सकते है। तथा अपने ज्ञान और जागरूकता स्तर को ऊँचा उठा सकते है।

तालिका न02

क्या मोबाइल फोन की उपलब्धता है?

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हॉ	374	90.77
2	नहीं	38	9.22
	कुल	412	99.99

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

तलिका नं02 से स्पष्ट है। आज के युग में अर्थात् आधुनिकता के युग में ऐसे बहुत कम प्रतिशत लोग है जिनके पास मोबाइल फोन नहीं है। ऐसा हो सकता है कि उनके पास उनका व्यक्तिगत मोबाइल फोन न हो परन्तु फोन तो सबके पास ही उपलब्ध होता है। आज के युग में मोबाइल सूचना प्राप्त करने का सबसे तेज और आसान तरीका है। शोध द्वारा प्राप्त आंकड़ो से प्राप्त हुआ है कि मात्र 9.22 प्रतिशत महिलाओं के पास ही मोबाइल फोन की उपलब्धता नहीं है।

तालिका न03

सूचनाओं के आदान प्रदान का माध्यम क्या है।

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	फोन	369	89.56
2	पत्र	23	5.58
3	इ–मेल	20	4.86
	योग	412	100

तालिका न03 से स्पष्ट होता है कि 89.56 प्रतिशत महिलाए सूचना प्राप्ति के लिए फोन का प्रयोग करती है। जबकि 5.58 प्रतिशत पत्र तथा 4.86 प्रतिशत महिलाए ज्ञान व सूचना प्राप्त करने के लिए ई0मेल0 का प्रयोग करती है। इससे स्पष्ट है कि आज की महिलाये आगे बढ़ रही है। जिससे स्पष्ट है कि उन्हे सूचना तकनीकी के विषय में ज्ञान व जागरूकता हैं। प्राचीन युग में महिलाओं को सूचना प्राप्त करने के लिए दूसरों पर निर्भर होना पड़ता था। कि बाजार में बीजों के क्या दाम है परन्तु आज वो घर बैठे कोई भी सूचना आसानी से दे सकती है और प्राप्त भी कर सकती है। जो सूचना तकनीकी का एक सकारात्मक पहलू हैं।

तालिका न04

क्या आपको सूचना तकनीकी का ज्ञान है?

क्र0सं0	**विकल्प**	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
1	हाँ	214	51.94
2	नहीं	122	29.61
3	बहुत कम	76	18.44
	योग	412	99.99

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट है कि 51.94 प्रतिशत महिलाओं को सूचना तकनीकी के प्रति ज्ञान है जबकि 29.61 प्रतिशत महिलाओं को नहीं है जबकि 18.44 प्रतिशत महिलाओं के अनुसार उन्हें सूचना तकनीकी के प्रति थोड़ी बहुत ही जागरूकता है। प्राचीन समय की तुलना में वर्तमान समय की महिलाओं को सूचना तकनीकी का अधिक ज्ञान है। वो केसबुक, व्हाटसएप, आदि सूचना तकनीकी का प्रयोग सूचनाओं के आदान प्रदान के रूप में किया जाता है। आज सूचना तकनीकी का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। आज की महिला सूचना तकनीकी के प्रति जागरूक है। इससे स्पष्ट है।

तालिका न05

क्या रोजगार के नये अवसर प्राप्त हुए है?

क्र0सं0	**विकल्प**	**आवृत्ति**	**प्रतिशत**
1	**हाँ**	**369**	**89.56**
2	**नहीं**	**23**	**5.58**
3	**थोड़ा बहुत**	**20**	**4.85**
	योग	**412**	**99.99**

Vol 6, Issue 5, 2023 **Impact Factor: 5.099** DOI: https://doi.org/10.31426/ijamsr.2023.6.5.6313

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट है कि 39 लोग अर्थात् महिलाओं का मानना है कि सूचना तकनीकी के कारण रोजगार के नये–नये अवसर प्रदान हुए है। जबकि कुछ महिलाओं के अनुसार उन्हें सूचना तकनीकी से कोई भी अवसर प्राप्त नहीं हुए हैं। अधिकतर महिलाओं का कहना है क सूचना तकनीकी की जागरूकता के कारण वो आज अपने छोटे–छोटे लघु कुटीर उद्योगो को भी भूमण्डली स्तर पर खरीद व बेच सकती है। जिसका उनके जीवन स्तर उच्च हो सकते है जो सिर्फ सूचना औद्योगिकी की ही देन है।

तालिका न06

क्या रहन सहन व खान पान व्यवस्था में परिवर्तन हुए है।?

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	365	88.59
2	नहीं	47	11.40
	योग	412	99.99

तलिका स्पष्ट करती है कि सूचना प्रौद्योगिकी ने लोगो की खान पान व रहन सहन व्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित किया है। आज गाँव की महिलाए भी चाऊमीन, मोमोज जैसे व्यंजनो को खाना पसन्द कर रही है और पश्चिमी वेशभूषा जैसे–जीन्स, टॉप आदि धारण कर रही है। यह सूचना प्रौद्योगिकी के कारण ही सम्भव हो पाया है।

तालिका न07

क्या महिलाओं की स्थिति में सुधार देखने को मिलाह है।?

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	317	76.94
2	नहीं	95	23.06
	योग	412	100

उपयुक्त तालिका स्पष्ट करती है कि सूचना तकनीकी के आने से महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी स्थितियों में काफी सुधार देखने को मिलता है जबकि कुछ ही महिलाओं के अनुसार थोड़ा भी सुधार नहीं है।

तालिका न08

क्या सांस्कृतिक रीति रिवाजो में परिवर्तन हुए है?

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हा	365	88.59
2	नहीं	47	11.40
	योग	412	99.99

तालिका 8 से स्पष्ट है कि अधिकतर महिलाओं का मानना है कि सूचना तकनीकी ने संस्कृति और रीतिरिवाजों के स्वरूप को बदलने में काफी भूमिका निभाई है। जबकि 11.40 प्रतिशत महिलाओं के अनुसार कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

तालिका न09

क्या सरकार द्वारा कल्याणकारी व विकास कार्यक्रम चलाये जाते हैं?

क्र0स0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हां	336	81.55
2	नहीं	76	18.44
	योग	412	99.99

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट है कि 81.55 प्रतिशत महिलाये मानती है कि सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम समय पर चलते रहते है। जबकि 18.44 महिलाओ का मानना है कि कोई कार्यक्रम नहीं चलाये जाते है।

तालिका न010

क्या गाँवों में सामाजिक उत्सव मनाये जाते हैं?

क्र0सं0	विकल्प	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	355	86.16
2	नहीं	57	13.84
	योग	412	100

तालिका न0 10 से स्पष्ट है कि 86.16 प्रतिशत महिला उत्तरदाता गांवों में बताती है कि उत्सव मनाये जाते है जबकि कुछ ही महिलाये ऐसे है जो बताती है कि उनके गाँवों में किसी भी प्रकार के सामाजिक उत्सव नहीं मनाये जाते है।

निष्कर्षः– अतः निष्कर्ष रूप में कह सकते है कि सूचना प्रौद्योगिकी ने महिलाओं के जीवन स्तर में काफी परिवर्तन करे है। जिससे स्पष्ट है कि महिलाओं को सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता है। आज महिलाये अपने दैनिक कार्यो के लिए भी सूचना तकनीकी का प्रयोग कर रही है। आज अधिकतर महिलाओं पर उनके स्वंय के मोबाइल फोन उपलब्ध है। वह रोजगार करने व सीखने के लिए भी किसी पर निर्भर नहीं है। इससे स्पष्ट है कि उनकी स्थिति में काफी सुधार देखने को मिल रहा है। आज की महिला स्वतन्त्र है, खान पान में, पहनावे में, नये–नये रोजगार में। इन सब का मूल कारण सिर्फ और सिर्फ सूचना प्रौद्योगिकी है। महिलाओं के अस्तित्व को ऊँचा उठाने में सिर्फ सूचना प्रौद्योगिकी को ही महत्वपूर्ण स्थान है। महिलाओं को सशक्त भी सूचना प्रौद्योगिकी ने ही किया हैं। आज सूचना प्रौद्योगिकी महिलाओं के लिए वरदान साबित हुई है।

IJAMSR

International Journal of Advanced Multidisciplinary Scientific Research (IJAMSR) ISSN:2581-4281

सन्दर्भः–

1. कुरूक्षेत्र, फरवरी 2021।
2. पी0वी0 श्री निवास, अगस्त 2017, कुरूक्षेत्र सूचना एवं संचार मत्रांलय भारत सरकार।
3. अजीत कुमार सिंह (2008) '' नए आयामो के लिए महिला सशक्तिकरण'' दीप और दीप प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. सरिता, राठी अप्रैल (2015) '' महिला सशक्तिकरण आई0टी0सी0 की भूमिका
5. गार्सन, जी डेविड (2006) ''सार्वजनिक सूचना प्रौद्योगिकी और ई0 गर्वनेस के. स्वाती ''महिला सशक्तिकरण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका''